हिंदी कार्यशाला की रिपोर्ट

परिषद कार्यालय में दिनांक 26.09.2024 को **'कार्यालय में काम के दौरान आने वाली समस्याएं एवं उनका समाधान'** विषय पर हिंदी कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में व्याख्यान देने हेतु अतिथि वक्ता **श्री सतीश कुमार पाण्डेय,** सेवानिवृत्त उपनिदेशक, केंद्रीय हिंदी अनुवाद ब्यूरो, राजभाषा विभाग, नई दिल्ली को आमंत्रित किया गया था। अतिथि वक्ता का **श्री वी.सुधीर, निदेशक (कार्यक्रम)/राजभाषा प्रभारी** द्वारा शॉल उढ़ाकर स्वागत किया गया और तद्नुसार हिंदी कार्यशाला का शुभारंभ किया गया।

कार्यशाला में उपस्थित सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को कार्यालय में काम के दौरान आने वाली समस्याओं के बारे में श्री पाण्डेय जी ने अवगत कराते हुए अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया। इस कार्यशाला में श्री पाण्डेय जी द्वारा बताया गया कि राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा हर वर्ष वार्षिक कार्यक्रम हेतु लक्ष्य निर्धारित किया जाता है जोकि सभी को उसका अनुपालन करते हुए अपने स्तर पर राजभाषा लक्ष्यों को पूरा करना अनिवार्य है। श्री पाण्डेय जी द्वारा यह भी बताया गया कि संसदीय राजभाषा की उपसमितियों द्वारा संस्थानों का निरीक्षण किया जा रहा है। प्रश्नावली को भरने के लिए राजभाषा अधिनियमों, नियमों आदि की जानकारी होना बहुत जरूरी है। कार्यशाला के दौरान निम्नलिखित बिन्दुओं पर उन्होंने अपने विचार व्यक्त किए:-

उन्होंने बताया कि किसी के व्यक्तित्व के विकास में भाषाओं की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कार्यशाला का संचालन दोतरफा संचार के माध्यम से किया, यानी प्रतिभागियों और मुख्य अतिथि के बीच संवाद स्थापित कर हिंदी कार्यशाला का सुचारू रूप से संचालन किया । हिंदी कार्यशाला में चर्चा के मुख्य बिन्दु निम्नवत रहे:

1. उन्होंने कहा कि हर भाषा की अपनी खूबसूरती होती है। भाषाएँ स्वयं को सर्वोतम तरीके से अभिव्यक्त करने के लिए होती हैं।
2. केंद्र सरकार के कर्मचारियों के हिस्से के रूप में हमें क्षेत्रीय भाषा और अपनी आधिकारिक भाषा भी सीखनी चाहिए।
3. उन्होंने कहा कि केवल उत्तर भारतीय ही हिंदी अच्छी तरह से समझ सकते हैं और अच्छी तरह बोल सकते हैं, यह गलत धारणा है, रुचि दिखाने वाला हर व्यक्ति कोई भी भाषा सीख सकता है।
4. हमें अपनी मातृभाषा का सम्मान करना चाहिए, हमे स्थानीय भाषा, क्षेत्रीय भाषा, राजभाषा और विदेशी भाषा भी सीखनी चाहिए। ये सभी भाषाएँ हमें अपने कार्यक्षेत्र में अधिक प्रभावी ढंग से काम करने में सक्षम बनाती हैं।
5. उन्होंने अपने संस्थान में हिंदी के प्रमुख के रूप में अपने अनुभवों को बताया कि कैसे अन्य कर्मचारियों को हिंदी का हिस्सा बनाया जाए। कार्यशाला में उपस्थित कार्मिकों से हिंदी में कुछ लेख या अपने कुछ अनुभव लिखने का अनुरोध किया।
6. कंप्यूटर पर हिंदी टाइपिंग कैसे सीखी जा सकती है, जैसे अंग्रेजी टाइप करके हिंदी में टाइप किया जा सकता, वॉयस टाइपिंग इत्यादि के माध्यम से हिंदी टाइपिंग की जा सकती है। इसके लिए उन्होंने कई प्रकार के राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित टूल्सों के बारे में जानकारी दी।
7. कार्यशाला के दौरान उन्होंने बताया कि अब अनुवाद करना कितना आसान हो गया है। उन्होंने कुछ अनुवाद टूल्स जैसे भाषिणी, अनुवादिनी एवं कंठस्थ 2.0 आदि के बारे में बताया तथा कुछ पर अभ्यास भी कराया।
8. कार्यशाला में उपस्थित सभी अधिकारियों/कर्मचारियों ने भरपूर आनंद लिया।
9. हिंदी कार्यशाला में 25 प्रतिभागियों ने अपनी उपस्थित दर्ज की।

श्री सतीश कुमार पाण्डेय की कार्यशाला सुनने के बाद, प्रतिभागियों ने अपने कार्यालय और दैनिक जीवन में हिंदी के उपयोग के बारे में अपने विचार व्यक्त किए और चर्चा के माध्यम से समस्याओं का निदान किया गया।

कार्यशाला का समापन श्री अशोक कुमार श्रीवास्तव, सलाहकार (रा.भा.) द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

कार्यशाला की एक झलक

हिन्दी कार्यशाला में भाग लेते हुए प्रतिभागीगण